

धर्मकोश, धर्मकोष पुं. (तत्.) विधान कोष, धर्म का कोष।

धर्मक्रिया स्त्री. (तत्.) धार्मिक कृत्य, धर्मकार्य।

धर्मक्षेत्र पुं. (तत्.) 1. कुरुक्षेत्र 2. भारतवर्ष की जो धर्म-कार्य करने के लिए उपयुक्त माना गया है, उसकी संज्ञा।

धर्मखाता पुं. (तत्.) दान, परोपकार आदि कामों में लगाने के लिए निर्धारित व्यय का मद।

धर्मगंडिका स्त्री. (तत्.) यज्ञ का वह खूँटा, जिसपर बलि चढ़ाए जाने वाले पशु का सिर रखा जाता है।

धर्मगुप्त पुं. (तत्.) विष्णु वि. धर्म का रक्षण और पालन करने वाला।

धर्मगुरु पुं. (तत्.) 1. किसी धर्म या संप्रदाय का प्रधान आचार्य या गुरु 2. धार्मिक उपदेश या गुरु-मंत्र प्रदान करने वाला गुरु।

धर्मग्रंथ पुं. (तत्.) किसी संप्रदाय या धर्म-विशेष का वह ग्रंथ जिसमें उस धर्म या संप्रदाय के आधारभूत दर्शन का निर्देशन हो प्रयो. कुरान शरीफ मुहम्मद साहब के अनुयायियों का धर्मग्रंथ है।

धर्मघट पुं. (तत्.) 1. सुगंधित जल से भरा घड़ा जिससे वैशाख-भर दान देने का माहात्म्य पुराणों में वर्णित है 2. बस्तियों में प्रत्येक घर में रखा जाने वाला वह घड़ा जिसमें दान-कार्य के लिए नित्य थोड़ा-थोड़ा अनाज डाल कर एकत्रित किया जाता है।

धर्मघड़ी स्त्री. (तत्.) सार्वजनिक अवलोकन के लिए परोपकार की भावना से लगाई गई घड़ी।

धर्मघ्न वि. (तत्.) 1. धर्मघातक, धर्महीन, अधार्मिक 2. अनैतिक।

धर्मचक्र पुं. (तत्.) 1. धर्मसंघ 2. एक प्रकार का प्राचीन अस्त्र 2. धर्म शिक्षा रूपी वह चक्र या पहिया जो गौतम बुद्ध ने सारनाथ में संसार को धर्म-शिक्षा देने के लिए चलाया था, बुद्ध की शिक्षा 4. बुद्ध देव 5. अशोक स्तंभ पर निर्मित चक्र जो राष्ट्रीय ध्वज तिरंगे पर अंकित है।

धर्मचरण पुं. (तत्.) दे. धर्मचर्या।

धर्मचर्या स्त्री. (तत्.) किसी धर्म में प्रतिपादित सिद्धांतों के अनुसार किए जाने वाले समस्त व्यवहार व आचरण उदा. दीन-दुखियों की सेवा उनकी धर्मचर्या में शामिल था।

धर्मचारिणी स्त्री. (तत्.) 1. पतिव्रता 2. पत्नी 3. धर्माचरण करने वाली स्त्री वि. धर्मानुकूल आचरण करने वाली।

धर्मचिंतक वि. (तत्.) 1. धर्म पर विचार करने वाला, सोचने वाला 2. स्मृतिकार उदा. इस देश में बुद्ध, महावीर जैसे बहुत बड़े-बड़े धर्मचिंतक हुए हैं।

धर्मचिंतन पुं. (तत्.) धर्म संबंधी बातों का विचार उदा. उनकी पुस्तक से हमें उनके गहन धर्मचिंतन का परिचय मिलता है।

धर्मच्युत वि. (तत्.) धर्म से भ्रष्ट, पतित उदा. उनके धर्म-विरुद्ध आचरण से कुपित होकर धर्माचार्यों ने उन्हें धर्मच्युत घोषित कर दिया।

धर्मज पुं. (तत्.) 1. धर्मपत्नी से उत्पन्न औरस पुत्र 2. युधिष्ठिर 3. बुद्ध का एक नाम 4. नरनारायण वि. धर्म से उत्पन्न।

धर्मजन्मा पुं. (तत्.) युधिष्ठिर।

धर्मजन्य वि. (तत्.) धर्माचरण से जिसकी उत्पत्ति हो, धर्म से उत्पन्न उदा. धर्मजन्य विश्वास व प्रथाएँ बहुत ही प्रबल होती हैं।

धर्मजिज्ञासा स्त्री. (तत्.) 1. धर्म के बारे में जानने की जिज्ञासा 2. धर्मानुकूल आचरण करने की जिज्ञासा।

धर्मजीवन पुं. (तत्.) धर्मकृत्य कराकर जीविकोपार्जन करने वाला ब्राह्मण वि. धर्मानुकूल आचरण करने वाला।

धर्मज्ञ पुं. (तत्.) बुद्ध वि. धर्म को जानने वाला।

धर्मण पुं. (तत्.) 1. धामिन वृक्ष 2. धामिन साँप 3. धामिन पक्षी।

धर्मणा क्रि.वि. (तत्.) दे. धर्मतः।